

# डॉ. रॉबर्ट यारबर्ग $\text{\AE}$ पासटोरल एपस्टिल्स $\text{\AE}$ सत्र $\text{\AE}$ $\text{\AE}$ तीमथियुस $\text{\AE}$

© 2024 रॉबर्ट यारबर्ग और टेड हलिडेब्रांट

यह डॉ. रॉबर्ट डबल्यू. यारबर्ग और पादरी पत्रों में उनकी शिक्षा, पादरी नेताओं और उनके अनुयायियों के लिए अपोस्टोलिक निर्देश है। सत्र क्रमांक दो, 1 टिमोथी 1। हम 1 तीमथियुस को देखते हुए देहाती पत्रों का अपना अध्ययन जारी रखते हैं और जैसा कि हम 1 तीमथियुस 1 को देखते हैं, मैं बस उस पदधतके बारे में एक शब्द कहना चाहता हूँ जिसका मैं उपयोग करने जा रहा हूँ।

यह बहुत ही सरल दो-चरणीय वर्धि है, देखें और कहें। देखने से मेरा मतलब है नरीकषण करना और यह उतना आसान नहीं है जतिना लगता है। यदि आपने कभी छोटे समूह में बाइबलि अध्ययन का नेतृत्व किया है और एक श्लोक पढा है और फरि लोगों से उस श्लोक को समझाने के लिए कहा है, तो आप पाएंगे कि लोग आमतौर पर वही कहते हैं जो वे सोचते हैं।

वे कविता में किसी चीज के साथ कुछ जोड़ देंगे और वे वास्तव में कविता की व्याख्या नहीं करते हैं, वे व्याख्या करते हैं कि वे क्या महसूस करते हैं, वे क्या मानते हैं, या कविता में किसी चीज के आधार पर वे क्या सोचते हैं। इसलिए, उन्होंने वास्तव में यह नहीं देखा है कि कविता में क्या है और वास्तव में, बाइबलि की कतिब जैसी ऐतिहासिक कलाकृतियों में किसी चीज का अच्छा अवलोकन अकसर परशकषण और कभी-कभी तकनीकी परशकषण की आवश्यकता होती है क्योंकि जब हम एनआईवी अनुवाद को देखते हैं, तो हम नहीं देख रहे होते हैं मूल पांडुलिपि। हम उसे ग्रीक को नहीं देख रहे हैं जिसमें दस्तावेज लिखा गया था।

तो वास्तव में अंग्रेजी अनुवाद के पीछे देखने के लिए, इष्टतम रूप से हमें किसी ऐसे व्यक्तकी आवश्यकता है जिसने ग्रीक सीखा हो और फरि कारकों की एक पूरी दुनिया है जो इस बात पर निर्भर करती है कि वह दस्तावेज क्यों लिखा गया था और इसे किसने लिखा था और उन्होंने इसे कब लिखा था और उन्होंने इसे क्यों लिखा था और ये सभी कारक इस बात से परासंगिक हैं कि यह श्लोक या यह अध्याय क्या बता रहा है। इसलिए, यह देखना कि वहां क्या है, किसी के अनुमान से कहीं अधिक कठिन है और इसीलिए सबसे पहले हम यह देखना चाहते हैं कि मैं क्या करने जा रहा हूँ क्योंकि हम इन व्याख्यानो के माध्यम से जाते हैं, मैं पाठ के कुछ हिस्सों को पढ़ने जा रहा हूँ और कुछ बनाऊंगा जैसे-जैसे हम आगे बढ़ेंगे टिपणियाँ और फरि मैं दूसरे चरण पर पहुँचूँगा और वह है नषिकर्ष बताना। हमने जो देखा उसके आधार पर अवलोकन और नरिणय लेने के लिए, हम नषिकर्ष नकिलेंगे और मैंने इसे इस तरह से कहा है।

हम यहां और अभी के लिए उस समय और वहां तथा पॉल ने उस समय तीमथियुस को जो लिखा था, उसके अनुरूप नषिकर्ष बताने जा रहे हैं। लेकिन यह बहुत महत्वपूर्ण है कि हम यहां और अभी में कदने और इसके कुछ अनुप्रयोग बनाने का प्रयास करने से पहले हम जो देख रहे हैं और जो वास्तव में है उसके प्रति विफादार रहने का प्रयास करें। सरलता के लिए जैसे-जैसे हम आगे बढ़ेंगे आप देखेंगे कि इसमें थोड़ी सी कलर कोडिंग है।

मैं अध्याय के शीर्षक हरे रंग से करता हूँ और आप देखेंगे कि मैं कुछ शब्दों को पीले रंग से चिह्नित करता हूँ। मेरे पास लाल रंग में कुछ शब्द हैं और फरि हमारे अवलोकन, हमारा चरण दो

जब हम कहते हैं कि हमने क्या देखा है, तो वह एक बॉक्स में होगा। इसलिए, जैसे-जैसे हम आगे बढ़ेंगे आपको इसकी ओर आदत हो जाएगी।

इसलिए पहले हम इन शब्दों को पढ़ते हैं, पौलुस हमारे उद्धारकर्ता परमेश्वर की आज्ञा से मसीह यीशु का प्रेरति है, और मसीह यीशु हमारी आशा है। मैंने पछिले व्याख्यान में कहा था कि पादरी में प्रमुख शब्द ईश्वर के लिए शब्द, ईश्वर के पुत्र के लिए शब्द और मसीह के लिए शब्दों से संबंधित हैं। और इसलिए, मैंने प्रकषेपण पर इन शब्दों को पीला कर दिया है क्योंकि मैं चाहता हूं कि हम देखें कि भगवान पौल की सोच में और टिमोथी को दी गई सलाह में और चर्च को दी गई सलाह में कतिनी बड़ी भूमिका नभाते हैं।

फरि वह पद 2 में विश्वास में मेरे सच्चे पुत्र तीमुथियुस को लिखता है। परमपति परमेश्वर और हमारे प्रभु मसीह यीशु की ओर से अनुग्रह, दया और शांति। वहाँ से केवल एक ही है, इसलिए यह ईश्वर और मसीह से है और यह ईसा मसीह की दवियता की एक नरम पुष्टि है क्योंकि वह उस शब्द से इतनी निकटता से वभाजति है और दो अलग-अलग स्रोतों से आप ईश्वर और ईसा मसीह से कोई स्पष्ट अंतर नहीं पा सकते हैं। लेकिन केवल एक ही स्रोत है और इसलिए वह एकल पूर्वसर्ग महत्वपूर्ण है।

इन दो श्लोकों में तीन बातों पर भी ध्यान दें जो हमें याद दिलाती हैं कि हम कसि धरम से नपिट रहे हैं। वह कहता है मेरा सच्चा पुत्र, और वह कहता है मसीह यीशु हमारा प्रभु, और वह कहता है परमेश्वर पति। अब तीनों मामलों में मेरे सच्चे पुत्र मसीह हमारे प्रभु परमेश्वर पति हम उस बात से नपिट रहे हैं जैसे कॉलेज में मेरे पुराने नियम के प्रोफेसर ने मुझे वाचा की भाषा के रूप में पहचानना सिखाया था।

यह एक ऐसी भाषा है जिसमें भगवान लोगों के प्रतिपति जैसा सममान रखते हैं। बहुत से लोगों के पास ईश्वर के बारे में एक वचार है लेकिन यह एक अवैयक्तिक वचार है। भगवान ऊपर वाला बूढ़ा आदमी है।

ईश्वर एक शक्ति है। भगवान एक तरह से पर्दे के पीछे हैं। संयुक्त राज्य अमेरिका में एक प्रकार की कलासिक फलिम है जिसे द वजिर्ड ऑफ ओज कहा जाता है और द वजिर्ड ऑफ ओज में अंत में, आप देखते हैं कि जादूगर वास्तव में पर्दे के पीछे एक आदमी है जो एक बड़ी मशीन पर लीवर खींच रहा है और लोगों ने सोचा कि यह जादूगर था कोई शक्तिशाली ताकत है और यह वास्तव में सरिफ एक आदमी है जो लोगों को बेवकूफ बना रहा है।

धरमग्रंथ में ईश्वर एक ऐसा ईश्वर है जो खुद को लोगों तक फैलाता है जैसे उसने इब्राहीम के लिए किया था और जैसा उसने आदम और हव्वा या हनोक या नूह के लिए किया था। और वह लोगों के लिए व्यक्तगित हो जाता है। और क्योंकि हम पापी हैं, यह भयावह है क्योंकि परमेश्वर पवतिर है और वह पाप का नयाय करता है। लेकिन चूंकि ईश्वर कषमशील और करोध करने में धीमा और अटल प्रेम से भरपूर है, वह एक ऐसा ईश्वर है जो लोगों के साथ संबंध स्थापति करना चाहता है ताकि वह उन्हें बचा सके और ताकि वे संगत का आनंद ले सकें और वे उसके सामने पवतिरता का जीवन जी सकें और जीवन जी सकें। उनके साथ सकारात्मक बातचीत का।

भजन में दाऊद कहता है, हे प्रभु, मैं तेरे लिये कसि प्रकार तरसता हूं जैसे हरिन पानी के लिये हांफता है वैसे ही मेरी आत्मा तेरे लिये तरसती है। हमारे अंदर कुछ ऐसा है जो ईश्वर के साथ घनषिठ संबंध की चाहत रखता है। बाइबलि के धरम के बारे में खूबसूरत बात यह है कि यह केवल लोगों और भगवान के बीच की बात नहीं है, बल्कि यह लोगों और लोगों के बीच है। और

इसलिए, वह

तीमुथयुस से कहता है , वशिवास में मेरा सच्चा पुत्र। मसीह में वशिवास के माध्यम से तीमुथयुस को ईश्वर का ज्ञान प्राप्त करने में पॉल का हाथ था। तो, इस अर्थ में, वह टिमोथी के लिए एक पिता तुल्य है। परमपिता परमेश्वर एक द्रव्य पिता तुल्य थे। तीमुथयुस पॉल के लिए एक मानवीय पिता तुल्य है।

मैं जो कह रहा हूँ वह यह है कि शुरु से ही हम देखते हैं कि यहाँ एक रश्मि है। देहाती पुत्रों में एक संबंधपरक घटक है जिसे अनदेखा करना आसान है क्योंकि बहुत से लोगों के लिए, पादरी एक तरह से औपचारिक चीज है। यह चर्च में एक कार्यालय की चीज है, यह एक ऐसी जगह है जहाँ आप जाते हैं और वहाँ चर्च के कार्यालय हैं। नियम हैं और कार्यकरण हैं। आप अपना पूरा जीवन चर्च में बिता सकते हैं और लोग कभी-कभी अपना पूरा जीवन चर्च में बिताते हैं। ईश्वर वास्तव में उनके लिए कभी व्यक्तिगत नहीं बनता।

मैं किसी ऐसे व्यक्ति को जानता हूँ जो मेरा बहुत करीबी और प्रिय है और वह एक प्रसिद्ध ईसाई धर्म में पली-बढ़ी है। जब तक वह 19 वर्ष की नहीं हुई, तब तक ईश्वर उसके लिए व्यक्तिगत नहीं हो गया था। वह धार्मिक सकल गई थी और वह प्रेरित पंथ, नकिेन पंथ और दस आज्ञाओं को जानती थी। वह टेरिनिटी में वशिवास करती थी और उसका मानना था कि बाइबल पूरी तरह सत्य है। लेकिन उसने एक सपना देखा और इस सपने में वह सो रही थी. सपने में वह सो रही थी और दरवाजे पर दस्तक हुई। उसने प्रकाशतिवाक्य में वह पद पढ़ा था, जिसमें कहा गया है, देख, मैं द्वार पर खड़ा हुआ खटखटाता हूँ। यीशु दरवाजे पर दस्तक दे रहा है. वह अपने जीवन में चीजों से संघर्ष कर रही थी। अपने सपने में, वह अपने बसितर पर सो रही थी और उसने यीशु को दरवाजा खटखटाते हुए सुना और वह वापस सो गई। उसने उठकर दरवाजा नहीं खोला.

जब वह उठी तो घबरा गई कि मैंने यह क्या कर दिया। इस सपने के माध्यम से भगवान ने उससे बात की और उसे यह देखने में मदद की कि वह वास्तव में उठकर यीशु के सामने अपना दिल नहीं खोल पाई है। और इसलिए, जबकि वह अपने धर्म में वशिवास करती थी और वह ईश्वर में वशिवास करती थी, यह हमारे प्रभु का पिता ईश्वर नहीं था। उसने यीशु के आधिपत्य की संगति और अपने जीवन में व्यक्तिगत उपस्थिति को अन्य लोगों के साथ साझा नहीं किया क्योंकि उसने खुद को इसके लिए कभी नहीं खोला था।

तो, हम पॉल की इस संबंधपरक गतिशीलता को देखते हैं जो ईसा मसीह और उनके सच्चे पुत्र तीमुथयुस को जानता है। चरवाहे में एक प्रमुख शब्द कलोस है जिसका अर्थ अच्छा है, लेकिन इसका अर्थ सुंदर और न्यायपूर्ण भी है।

इन पहले दो छंदों में, हम पॉल और तीमुथयुस द्वारा साझा की गई बातों में एक सुंदरता देखते हैं। वे इस पत्र में कुछ अन्य टिप्पणियाँ पर चर्चा करने जा रहे हैं।

सबसे पहले, जब पॉल कहता है कि वह एक प्रेरित है, क्योंकि जिस तरह से उस शब्द का उपयोग किया जाता है, उससे कुछ लोगों को कैथोलिक धर्म में पोप जैसा अहसास होता है। पोप चर्च में हर चीज का प्रभारी है। प्रेरित एक ऐसा शब्द है जिस पर उसका अधिकार है। उसके पास बहुत ताकत है और वह सोचता है कि हम सभी को उसकी बात सुननी चाहिए।

लेकिन प्रेरति शब्द का अर्थ है कोई ऐसा व्यक्ति जो किसी और के अधिकार के अधीन हो। अमेरिकी अंग्रेजी में, हमारे पास पावर ऑफ अटॉर्नी नाम की कोई चीज होती है। यदि आप किसी को अपना कानूनी अधिकार देना चाहते हैं तो आप कागजात पर हस्ताक्षर कर सकते हैं और फिर वे आपकी ओर से सौदेबाजी कर सकते हैं। लेकिन कानूनी तौर पर उन्हें आपकी ओर से मोलभाव करना होगा। उनके पास आपकी पावर ऑफ अटॉर्नी है।

वे जो करना चाहते हैं, वह करने की शक्ति उनमें नहीं है। वे आपके नेतृत्व में हैं। पॉल को ईसा मसीह का प्रेरति बनने का आदेश मिला था। वह उनके वश में था। एनआईवी भगवान की आज्ञा से कहता है। लेकिन ग्रीक में काटा शब्द है जिसका अर्थ है ईश्वर की आज्ञा के अनुसार, उसके अनुरूप, उसके समर्थन में, उसकी अनुमति के अधीन।

इसलिए, यह महत्वपूर्ण है क्योंकि पॉल तीमुथियुस को जो बताने जा रहा है वह तीमुथियुस पर आरोप लगाने जा रहा है। लेकिन पॉल ने स्पष्ट रूप से तीमुथियुस से यह कहकर शुरुआत की कि जो मैं तुम पर डालने जा रहा हूँ वह मेरे ऊपर रखी गई बातों के अलावा और कुछ नहीं है। मैं आपको एक स्वतंत्र एजेंट के रूप में नहीं लिख रहा हूँ। मैं आपको एक पोप प्राधिकारी की तरह नहीं लिख रहा हूँ। मैं आपको एक इंसान के तौर पर नहीं लिख रहा हूँ जो प्रभाव जमाने की कोशिश कर रहा है। मैं आपको एक ऐसे व्यक्ति के रूप में लिख रहा हूँ जो हमारे उद्धारकर्ता परमेश्वर की आज्ञा से मसीह यीशु के अधिकार के अधीन है।

इसलिए, जब आप यह सब जोड़ते हैं तो वह वास्तव में खुद को पा लेता है, आप कह सकते हैं, मसीह के शासन के तहत वनिमर।

और भगवान की आज्ञा के तहत, वह हमारे उद्धारकर्ता भगवान का उल्लेख करता है। अब आप कह सकते हैं कि वहाँ दो हैं, दो पूर्वसर्ग हैं। भगवान हमारे उद्धारकर्ता और विशेष रूप से तीमुथियुस की स्थिति के लिए मसीह यीशु हमारी आशा हैं। मुझे लगता है कि टिमोथी से कहने से ठीक पहले वह यह कहते हैं, मुझे लगता है कि वह आशा के साथ समाप्त करते हैं क्योंकि मंत्रालय में कतिनी आशा की आवश्यकता होती है।

कभी-कभी जीवन में, कभी-कभी मंत्रालय में आप सुबह उठना नहीं चाहते, आप नरिंश हो जाते हैं क्योंकि आप थक जाते हैं, और आप दबाव से थक जाते हैं। आप अपने समय और ऊर्जा की माँगों से थक जाते हैं। जैसे-जैसे आपकी उम्र बढ़ती है आपकी ऊर्जा कम होती जाती है और इसलिए आप उम्मीद खो सकते हैं क्योंकि आप वह ताकत खो सकते हैं जिसकी आपको उन सभी चीजों को पूरा करने के लिए हर दिन आवश्यकता होती है जिन्हें आप करना चाहते हैं।

वह कहते हैं कि आपके पास मसीह यीशु के प्रेरति तीमुथियुस पॉल की आशा है। परन्तु वह आशा तीमुथियुस की यह आशा नहीं है कि वह आशा मसीह यीशु है।

पौलुस, हमारे उद्धारकर्ता परमेश्वर और हमारी आशा मसीह यीशु की आज्ञा से मसीह यीशु का प्रेरति। जब पौलुस प्रेरतियों के काम अध्याय 9 में दमशिक की सड़क पर परिवर्तित हुआ, तो परमेश्वर ने यीशु और पवतिर आत्मा के माध्यम से उसके साथ व्यवहार करना एक आदेश था लेकिन साथ ही आशा भी थी।

अब यह एहसास हुआ कि ईश्वर विश्वासयोग्य है और क्योंकि ईश्वर विश्वासयोग्य है, वह हमें जो भी करने को कहता है वह उस पर अपनी कृपा प्रदान करेगा। वह कृपा क्या रूप लेती है, हम नहीं

जानते । हम जानते हैं कि बाइबिल के इतिहास के दौरान अक्सर इसे हम क्रूस कह सकते हैं, हमारे लिए ईश्वर की योजनाएँ, हमारे लिए ईश्वर का भविष्य, हमारे भविष्य में ईश्वर के निश्चिन्ता वादे, ये सभी हमारी आशाएँ हैं।

कभी-कभी वे कठिन नहीं होते। उन्हें सहन करना आसान नहीं है, लेकिन यहाँ वह तीमथियुस के सामने ईसा मसीह को अपनी आशा के रूप में रखता है। यह एक अनुसमारक है कि पॉल के पूरे पत्र में वह न केवल जानकारी दे रहा है, बल्कि वह तीमथियुस के लिए घंटे-दर-घंटे, दिन-ब-दिन पुनःपुष्टि करने के लिए जगह बना रहा है, जैसे हम सभी जो मसीह का अनुसरण करते हैं, पुनः पुष्टि करना चाहते हैं, और वह हमारे जीवन में मसीह की जीवित उपस्थिति है।

मसीह हमारी आशा है। आशा केवल मानवीय आशावाद नहीं है। यह मसीह का व्यक्तित्व है जो हमारे जीवन में अपना प्रभुत्व प्रयोग करता है। मुझे यह भी रेखांकित करने की आवश्यकता है कि यहाँ आप तीन बार कराइस्ट जीसस, कराइस्ट जीसस, कराइस्ट जीसस देखते हैं। देहाती पत्रों में लगभग हर समय जब पॉल मसीह का उल्लेख करता है तो वह उसी क्रम में उन दो शब्दों के साथ उसका उल्लेख करता है।

पछिली कुछ सदियों में इस बारे में बहुत कुछ लिखा गया है कि ईसा मसीह का क्या मतलब है या क्या नहीं। मुझे यकीन है कि चर्चा जारी रहेगी। लेकिन मुझे लगता है कि यहाँ वह मसीह को नामित करने के लिए उपयोग कर रहा है क्योंकि वह टिमोथी को एक साथी यहूदी के रूप में लिख रहा है और मुझे लगता है कि हमें इस शब्द को पुराने नियम की मसीहाई भविष्यवाणियों के संदर्भ में सोचना चाहिए कि दुनिया की आशा भगवान के लोगों का उद्धार है। यह एक ऐसी दुनिया की आशा है जिसे एक उद्धारकर्ता की आवश्यकता है जो वादा किया गया है, अभिषिक्त है, वह राजा है जो आएगा, इब्राहीम और डेविड और कई अन्य लोगों से कए गए वादों की पूर्ति। वह मसीहा क्रिस्टोस, कराइस्ट होगा।

तो, पॉल एक प्रेरित है, वह एक दूत है, वह उसका एक प्रतिनिधि है जिसका उसने और तीमथियुस और उनके पूर्वजों ने सहस्राब्दियों से इंतजार किया था। वह मसीह है। वह मसीहा है लेकिन वह जीसस या येशुआ है। वह ग्रीक में जोशुआ या ईसास है। हम इसका अंग्रेजी में अनुवाद जीसस के रूप में करते हैं। वह नाज़रेथ का वह व्यक्ति है जो भलाई करता हुआ चला गया और उसे सूली पर चढ़ा दिया गया, परन्तु तीसरे दिन पवित्र शास्त्र के अनुसार जी उठा। वह भगवान के दाहिने हाथ पर बैठा है।

इसलिए, मुझे नहीं लगता कि हमारे पास यह कहने का आधार है कि टिमोथी को संदेह था या वह संदेह कर रहा था। मुझे लगता है कि टिमोथी कठनाइयों का सामना कर रहा था और कठनाइयों में हम संघर्ष करते हैं। यह कहते हुए कि वह उस परिवार की पहली पीढ़ी में था जो मसीहाई यहूदी बन गया था। उस समय और आज भी, यहूदी परंपरा में जब लोग कहते हैं कि यीशु उद्धारकर्ता है, यीशु मसीहा है, यीशु यहूदी लोगों की आशा है, तो अक्सर उस पर बहुत नकारात्मक प्रतिक्रिया होती है।

उस प्रतिक्रिया का एक हिस्सा यह है कि अब आपके परिवार में आपका स्वागत नहीं है। आप वास्तव में हमारे लिए मर चुके हैं क्योंकि आपने हमारे अस्तित्व के साथ विश्वासघात किया है। हम इब्राहीम के पुत्र हैं, जो लोग कहते हैं कि यीशु परमेश्वर का पुत्र है, उन्होंने हमारे लोगों के विश्वास के साथ विश्वासघात किया है। सुसमाचार में कहा गया है कि वह वह व्यक्ति नहीं था, वह एक झूठा भविष्यवक्ता था।

और उसे उस समय मौत की सजा देना उचित था क्योंकि वह लोगों को गुमराह करने की कोशिश कर रहा था। हम यह नहीं मानते कि यीशु मसीह थे।

मैं जो कह रहा हूँ वह यह है कि तीमुथियुस को, बूतपरसत वरिध और यहूदी वरिध दोनों के कारण, आश्वस्त होने की आवश्यकता थी कि मसीह यीशु वही थे जिनके रूप में पॉल उन्हें जानता था और तीमुथियुस ने उन्हें उसी रूप में स्वीकार किया था। लेकिन कठिनाइयाँ सबसे अच्छे पुरुष या महिला को भगवान को पुकारने पर मजबूर कर सकती हैं, भगवान आप कहाँ हैं।

मैं क्रूस पर यीशु के बारे में सोचता हूँ, तुमने मुझे क्यों त्याग दिया। कुछ लोग कहते हैं, यह परमेश्वर के वचन के प्रति अपने समर्पण की पुष्टि करने के लिए भजन में कुछ दोहराने जैसा था। यह सच हो सकता है, लेकिन मुझे लगता है कि यह वास्तव में हमें दिखाता है कि चरम सीमाएँ हमें कसि हद तक कम कर सकती हैं और यहाँ तक कि परमेश्वर के पुत्र को भी मानव शरीर में ला सकती हैं। हालाँकि इतने बुरे थे कि ऐसा नहीं था कि उसे ईश्वर पर संदेह था, बल्कि इसलिए कि अपनी मानवता में उसे उसकी समर्थन करने वाली उपस्थिति महसूस नहीं हुई। उसे उजाड़ और वीरान महसूस हुआ। नश्वर रूप से, मंत्रालय और जीवन उन भावनाओं को हम पर लाते हैं। इसे पर्याप्त रूप से सुदृढ़ नहीं किया जा सकता है कि हमारे पास ईसा मसीह हैं जिनके लिए हम शर्म करते हैं और जिनके नाम पर और जिनकी अनुमति के तहत हम जो करते हैं वह करते हैं।

वह अवश्य आएगा क्योंकि उसका वादा किया गया है। भगवान अपने वादों के प्रति सिद्ध हैं।

तीसरा अवलोकन मैं यहाँ करूँगा। वह तीमुथियुस की कृपा, दया और शांति की कामना करता है। मुझे लगता है कि टिमोथी को आशा को बनाए रखने और अपने मंत्रालय को पूरा करने के लिए जिसे सक्रमता की आवश्यकता है, उसके लिए यह सरिफ आशुलपि है। हम सभी को सक्रम होने की आवश्यकता है और हम सभी यह जानते हैं। यदि आप ईसाई हैं तो हम अपने लिए कुछ भी अच्छा नहीं करते हैं। यीशु ने कहा कि मेरे बिना तुम ऐसा कुछ भी नहीं कर सकते जो अच्छा और मुक्तदायक न हो। लेकिन मैं अब भी यह भूल जाता हूँ और शायद आप भी भूल जाते हैं।

इसलिए, यदि हम इसके साथ सक्रमता को तोड़ते हैं तो हमें इसकी आवश्यकता होगी कि यह कैसा दिखे। हम संभवतः 50 चीजों के बारे में सोच सकते हैं जो ईश्वर की सक्रमता जैसी दिखती हैं। लेकिन पॉल सरिफ तीन बहुत बड़े व्यापक शब्दों का उपयोग करता है, सभी बहुत गहरे पुराने नियम की गूँज और पृष्ठभूमि के साथ। ग्रेस शायद हचिकचि रही है। यह ईश्वर की परममय दयालुता है। यही कारण है कि येशायाह ने कहा कि आओ और बिना पैसे के खरीदारी करो। आओ और वह प्राप्त करो जो परमेश्वर उन लोगों को प्रदान करता है जो उसका नाम लेते हैं। यह एक ऐसा आशीर्वाद है जिसे वे अर्जति नहीं कर सकते हैं, लेकिन एक ऐसा आशीर्वाद है जिसे ईश्वर लोगों को उनके साथ व्यक्तिगत संबंध में आने के लिए देने के लिए बहुत उत्सुक है। यदि वे अपने पापों से पश्चात्ताप करें और हृदय से उसकी ओर फरिं।

दया एक घनषिठ रूप से संबंधित शब्द है, कभी-कभी उनका अर्थ अनुग्रह ही होता है। मैं देखता हूँ कि यह कुछ ऐसा है जो अधिक सकारात्मक सक्रमता है और दया ईश्वर के उस हसिसे से अधिक विशिष्ट है जो उसे आपके पापों को धोने और आपको कृपमादान देने के लिए तैयार और सक्रम बनाता है। यह वह जगह है जहाँ आप न्याय के पात्र हैं, भगवान दयालु हैं।

फरि शांति एक ऐसा शब्द है जो पुराने नियम के शालोम में कई बार आता है और यह एक ऐसा शब्द है जो ईश्वर के आशीर्वाद का पूरा दायरा है। यह मुक्ति है, यह कल्याण है, यह

ईश्वर के प्रति संतुष्ट है , यह ईश्वर की उपस्थिति की परिपूर्णता है, और यह ईश्वर की सुरक्षा है। यह वह सब कुछ है जिसे आप ईश्वर और उसके वादों के साथ जोड़ सकते हैं जो हमें दिए गए हैं और हमारे द्वारा और दुनिया में ईश्वर के लोगों द्वारा ग्रहण किए गए हैं।

टिमोथी को कुछ कठिन परिस्थितियों का सामना करना पड़ेगा। वह कठिन परिस्थितियों का सामना कर रहा है लेकिन उसके पास ईश्वर की कृपा, दया और शांति है। पॉल अपनी ओर से नहीं लिखता। वह परमपिता परमेश्वर और हमारे प्रभु मसीह यीशु की ओर से लिखता है क्योंकि वह अधिकार के अधीन एक प्रेरित है। वह उन व्यक्तियों के आदेश के अधीन है जो वास्तव में एक व्यक्तिगत ईश्वर हैं, एक में तीन। वह परमेश्वर पिता और पुत्र के अधीन है और उनकी आज्ञा से है।

इसलिए, यदि आप अपने एनआईवी को देखें तो आप देखेंगे कि वहां एक और शीर्षक है और इस तरह मैं इन पत्रों की संरचना कर रहा हूं। मैं बस उन्हें इस तरह से संरचित कर रहा हूं कि यदि आप एनआईवी बाइबिल का उपयोग करते हैं तो आप उन्हें देखेंगे, जो मुझे लगता है कि सबसे प्रचलित अंग्रेजी अनुवाद है। जहां अंग्रेजी अनुवादों का उपयोग किया जाता है वहां आप में से बहुत से लोग पोस्टोरल एपिस्टलस की संरचना पर तकनीकी सहमति नहीं जानते हैं। इसलिए, मैं इस पर बहुत अधिक समय खर्च नहीं कर रहा हूं कि हमें उन्हें कैसे रेखांकित करना चाहिए और उन्हें कैसे तोड़ना चाहिए। पादरी पत्रों की बहुत सारी रूपरेखाएं ऑनलाइन या टिपिपणियों में हैं। तो, मैं बस इन अध्याय शीर्षकों के साथ जा रहा हूं। मुझे लगता है कि वे हमारी अच्छी सेवा करेंगे।

इसलिए, पॉल लिखते हैं, "जैसा कि मैंने आपसे आग्रह किया था जब मैं मैसेडोनिया गया था, वहां इफिसिस में रहें ताकि आप कुछ लोगों को आदेश दे सकें कि वे अब झूठे सिद्धांत न सखाएँ, या खुद को मथियों और अंतहीन वंशावली के लिए समर्पित न करें।" कुछ शब्द लाल रंग में क्यों हैं? कुछ शब्द लाल रंग में होंगे क्योंकि ये आदेश या अनविरयताएँ हैं, चाहे ग्रीक में व्याकरणिक रूप से यह एक अनविरय रूप हो। या क्या यह वास्तव में इस संदर्भ में है कि पाठ क्या कह रहा है, यह कुछ ऐसा है जैसे टिमोथी या जोने लोगों के साथ वह काम कर रहा है उन्हें करने की जरूरत है।

यह एक अनुस्मारक है जिसके बारे में हम पहले ही बात कर चुके हैं, पुराने और नए नियम के इस धर्म के संबंध परक घटक। मसीहा में यह विश्वास, ईसा मसीह में यह विश्वास, यह प्यार के बारे में है, यह रश्ते के बारे में है, यह तालमेल के बारे में है, यह व्यक्तिगत उपस्थिति के बारे में है, यह दोस्ती के बारे में है।

लेकिन यह उस संबंध के कारण, ईश्वर की आज्ञाओं के कारण, और ईश्वर के नेतृत्व के कारण कार्रवाई के बारे में भी है। भगवान के पास हमारे लिए करने के लिए चीजें हैं। तो इसे ही हम नेतृत्व कहते हैं। 1 तीमथियुस नेतृत्व के साथ-साथ प्रेम और रश्ते के बारे में भी बहुत जागरूक है। नसिंदेह, जिस चीज के बारे में यह सबसे अधिक है वह डडिस्कलिया या शक्ति के बारे में सिद्धांत के बारे में है। अन्य स्थानों पर, मैं एक xyz आरेख बनाता हूं जिसमें x वह धुरी है जिस पर हमारा विश्वास या विश्वास है और हम प्रभु यीशु मसीह में विश्वास करते हैं और हम बच जाएंगे। लेकिन हमें कार्य करने के लिए भी बुलाया गया है क्योंकि किस्म के बिना विश्वास मरा हुआ है। तो, आपके पास एक y-अक्ष है और यदि आप ईसाई हैं तो आपने विश्वास किया है और आप जो मानते हैं उसका पालन करते हैं। लेकिन फिर वहां az नरिदेशांक भी है यदि आप इंजीनियरिंग या गणित में अच्छे हैं तो आप इसे xyz से निकाल सकते हैं। जेड प्यार है. जेड भक्ता है. z भगवान के साथ संबंध है.



जब सुसमाचार जीवन में आया, जब यह पॉल के जीवन में आया, जब यह तीमुथयुस के जीवन में आया, इसमें न केवल यह सदिधांत शामिल था कि यीशु मसीहा है, न केवल इसमें कुछ ऐसा शामिल था जो पुराने नियम के धर्म का एक हसिसा है लेकिन प्रत्यक्षतः; यदा आप ईश्वर के साथ सही रहना चाहते हैं तो ईश्वर के निर्देश, उसकी टोरा का पालन करें। हम इसका कानूनी अनुवाद करते हैं लेकिन संभवतः यह सबसे अच्छा अनुवाद नहीं है। मार्गदर्शन, ईश्वर जो मार्गदर्शन देता है उसका पालन करो, उसकी आज्ञाओं का पालन करो। ईश्वर के साथ संबंध में रहने का यही अर्थ है।

लेकिन वह रश्िता आता है जो हमारे लिए वह करना संभव बनाता है जैसे करने के लिए भगवान हमसे कहते हैं। इसलिए, यहां कुछ लोगों को आदेश देने का आदेश है, लेकिन यह इस शक्ति से सूचित होता है कि ईश्वर कौन है और टिमोथी और पॉल, उन दोनों और ईश्वर के बीच क्या संबंध स्थापित हुआ है।

अब मथिकों और वंशावलियों के इस उल्लेख के कारण, बहुत से वदिवान सोचते हैं कि शायद टिमोथी जनि चीजों का सामना कर रहा है उनमें से कम से कम कुछ की यहूदी पृष्ठभूमि है। मैथ्यू की कतिब में वंशावली है, ल्यूक की कतिब में वंशावली है। वंशावली ईसाई धर्म के लिए महत्वपूर्ण है लेकिन वे पुराने नियम में भी महत्वपूर्ण हैं। यदा आप यीशु के मसीहा होने के बारे में कुछ गलत साबित करना चाहते हैं तो आप एक अलग वंशावली को आगे बढ़ा सकते हैं और कह सकते हैं, नहीं, मेरे पास उसकी उत्पत्ति और वह कौन है, यह समझने का एक अलग तरीका है।

मथिक इस समय बुतपरसत दुनिया और यहूदी दुनिया दोनों में मौजूद थे। हमारे पास बहुत सारे यहूदी लेख हैं जहां वे ऐसी चीजों की कल्पना करते हैं जिनके घटित होने का वे प्रतनिर्धित्व भी नहीं कर सकते। वे महज अधिक कल्पनाशील काल्पनिक लेखन थे।

लेकिन पॉल सामना कर रहा है, और तीमुथयुस एक ऐसी स्थिति का सामना कर रहा है जिसमें झूठे सदिधांत सखिने वाले लोग हैं और वे खुद को मथिकों और अटकलों और वंशावली के लिए समर्पित कर रहे हैं। पॉल का कहना है कि ऐसी चीजें ईश्वर के काम को आगे बढ़ाने के बजाय विवादास्पद अटकलों को बढ़ावा देती हैं जो विश्वास पर आधारित है। यह वंशावली से नहीं है। यह अटकलों से नहीं है। यह मथिकों से नहीं है। यह उन आख्यानो द्वारा नहीं है जो बाइबल से बाहर हैं जिनका उपयोग आप इन वैकल्पिक आख्यानो के हित में बाइबल को हाईजैक करने के लिए कर सकते हैं।

नहीं, भगवान का कार्य उस आख्यान में विश्वास से आगे बढ़ता है जो भगवान ने हमें पुराना नियम दिया है। इसकी भविष्यवाणियां कि यीशु कौन होगा, मसीहा कौन सा रूप धारण करेगा और उसमें इसकी पूर्ति होगी। अब एनआईवी इस शब्द का अनुवाद "कार्य" करता है और यह ठीक है। यह शब्द है ओइकोनोमिया और यह एक ऐसा शब्द है जिसके लिए कोई अच्छा अंगरेजी शब्द नहीं है। यह प्रशासन है, यह घर का आदेश है। यह वह अर्थव्यवस्था है जैसे ईश्वर ने अपने काम के फलने-फूलने के लिए स्थापित किया है। यह राज्य के विचार के बहुत करीब है जिसमें ईश्वर एक राजा है जो अपने सभी प्रशासनों का संचालन करता है। लेकिन मैं बस उस काम को, उस शब्द को थोड़ा सा बाहर निकालना चाहता हूं। परमेश्वर के कार्य को आगे बढ़ाना बहुत अस्पष्ट है। भगवान का कार्य क्या है? खैर, भगवान का कार्य संसार का मुक्तदायक अंत तक उसका प्रबंधन है जो उसके पास है।

ईसाइयों को ईश्वर के कार्य को आगे बढ़ाने में शामिल होना चाहिए, न कि अटकलें लगाना और सुंदर बातें और कहानियाँ बनाना जो उन्हें उस ओइकोनामिया से दूर ले जाती हैं, जो ईश्वर की संरचना और दुनिया और उसके लोगों के लिए उसके इरादों की योजना बनाती है।

अब श्लोक तीन में आदेश पर ध्यान दें, "कुछ लोगों को आदेश दें" लाल रंग में है। फरि श्लोक पाँच में वह इस आदेश का लक्ष्य बताता है और उन्हें एक साथ रखता है। और वह शब्द आदेश यह एक अच्छा शब्द है लेकिन यह वही शब्द है जो लेखक, एनआईवी संपादकों ने कहा था, जब वे कहते हैं कि टिमोथी ने आरोप लगाया था कि उसने आदेश दिया है।

तो, यह एक कड़ी शुरुआत है। यह एक संबंधपरक शुरुआत है, यह एक गर्मजोशी भरी शुरुआत है, लेकिन यह कठोर भी है क्योंकि टिमोथी पर एक ऐसा आरोप लगाया जा रहा है जिससे वह बाहर नहीं निकल सकता। इसे आरोप का लक्ष्य इसे कठोर से गर्म की ओर समर्थति किया गया है। यह प्यार है और यह शुद्ध दिल से प्यार है क्योंकि सुसमाचार हमारे दिलों को साफ करता है और एक अच्छा विकल्प है क्योंकि सुसमाचार सच्चा है। यह सच्चा विश्वास है, ऐसा विश्वास जो नकली नहीं है। यह वास्तव में हमारा गहरा विश्वास है कि भगवान के वादे यीशु में पूरे हुए हैं। हम अपने जीवन में जो कुछ भी अर्थ रखते हैं उसे जीने के लिए प्रतबिद्ध हैं। शुद्ध हृदय और अच्छे विकल्प से ईश्वर के साथ संबंध स्थापति करने का यही लक्ष्य है--ईमानदारी से विश्वास।

अब पॉल का उतसाह इन अगले कुछ छंदों में व्यक्त हुआ है। कुछ लोग इनसे हटकर नरिस्थक बातों पर उतर आये हैं। हम मथिकों, वंशावली और अटकलों पर वापस आ गए हैं। तथय यह है कि जिस तरह से वह इसे कहते हैं, इसके लिए आवश्यक है कि हम कहे किया तो ये वे लोग हैं जो चर्च में हैं या ऐसे लोग हैं जो चर्च के इतने करीब हैं कि वे चर्च को प्रभावति कर रहे हैं। ये किसी अन्य देश के लोग नहीं हैं बल्कि ये वे लोग हैं जो इफसिस में तीमुथियुस के जनादेश को सीधे प्रभावति कर रहे हैं।

और इसलिए, यह बहुत महत्वपूर्ण है कि तीमुथियुस वह हो जो उसे बनना चाहिए, जो लोग प्रस्थान कर रहे हैं उनका मुकाबला करने के लिए भगवान उसे बना सकता है। वे सुसमाचार से दूर जा रहे हैं, वे मसीह और परमेश्वर से दूर जा रहे हैं।

वे कानून के शकिषक बनना चाहते हैं। एक बार फरि, जबकि टिपिपणीकार अलग-अलग हैं, मुझे लगता है कि यह सबसे अधिक संभावना है कि ये यहूदी या तो आसतकि हैं या छद्म-आसतकि हैं। वे कानून के शकिषक बनना चाहते हैं लेकिन वे नहीं जानते कि वे किस बारे में बात कर रहे हैं या वे किस बात की पुष्टि इतने आत्मविश्वास से करते हैं। दूसरे शब्दों में, जब बात आती है कि वे क्या कह रहे हैं तो उन्हें पता ही नहीं चलता। मैं उस पर वापस आऊंगा, "हम जानते हैं कि कानून अच्छा है अगर कोई इसका सही तरीके से उपयोग करे, हम यह भी जानते हैं कि कानून धर्मी लोगों के लिए नहीं बनाया गया है।"

अब मैं यहीं रुकता हूँ और कहता हूँ कि कानून का उचित उपयोग सबसे पहले नागरिक उपयोग होगा। उदाहरण के लिए, कई देशों में हत्या एक अपराध है, और बाइबलि में हत्या वर्जति है। बाइबलि में ऐसी बहुत सी बातें सखाई गई हैं जो बहुत अच्छी हैं। वे नागरिक कानून का आधार हैं और वे दुनिया भर की कानून प्रणालियों में कोडति हैं। वे आंशिक रूप से सत्य हैं क्योंकि वे परमेश्वर के वचन में हैं लेकिन कानून का दूसरा उपयोग भी है जो बहुत महत्वपूर्ण है।

पॉल अन्यत्र कहते हैं कि कानून हमें मसीह के पास लाने के लिए हमारा शक्तिशालक है । कानून हमें पाप का दोषी ठहराता है। कानून कहता है कि तुम कानून तोड़ने वाले हो और पाप की मजदूरी मौत है। इसलिए हमें परमेश्वर के मुफ्त उपहार की ज़रूरत है जो हमारे प्रभु मसीह यीशु में है।

फिर कानून का तीसरा उपयोग है जिसके बारे में ईसाई धर्म में विवाद है और विशेष रूप से लूथर को अक्सर इस तीसरे उपयोग की पुष्टि करने का श्रेय दिया जाता है। मैं तीसरे प्रयोग की पुष्टि करता हूँ। तीसरा उपयोग ईसाइयों के लिए मार्गदर्शन है कि वे धर्मी न बनें, कानून का पालन करके बचाए न जाएं, लेकिन "धन्य है वह व्यक्ति जो दुष्टों की परिषद में नहीं चलेता, या पापियों के मार्ग में खड़ा नहीं होता, या गद्दी पर नहीं बैठता" उपहास करने वाले परन्तु उसकी प्रसन्नता व्यवस्था, तोराह में है" मार्गदर्शन, प्रभु का निर्देश, मसीह के शिष्य परमेश्वर की आज्ञाओं के मार्गदर्शन का अध्ययन करके परमेश्वर की धार्मिकता और परमेश्वर की इच्छा के बारे में बहुत कुछ सीख सकते हैं। वह तीसरा प्रयोग है।

इसलिए, कानून अच्छा है अगर इसका सही तरीके से उपयोग किया जाए। हम जानते हैं कि यह धर्मी लोगों के लिए नहीं बनाया गया है, अर्थात् धर्मी को न्यायोचित ठहराने के लिए, बल्कि यह कानून तोड़ने वालों और विद्रोहियों के लिए बनाया गया है जिन्हें मसीह की आवश्यकता है। उन्हें उनके पाप के लिए दोषी ठहराया जाना चाहिए।

साथ ही, हमें अपने नागरिक कानून में इनमें से कुछ चीजों के खिलाफ कानून बनाने की जरूरत है। अधर्मी और पापी अपवर्तिर। वे उन लोगों के लिए धार्मिक हैं जो अपने पिता या माता की हत्या करते हैं, हत्यारों के लिए, यौन रूप से अनैतिक लोगों के लिए, समलैंगिकता का अभ्यास करने वालों के लिए, दास व्यापारियों और झूठे और झूठी गवाही देने वालों के लिए धार्मिक हैं।

अब पॉल अपने पुराने नियम को बहुत अच्छी तरह से जानता था। तो, वह बस कुछ चीजें हड़प रहा है जो भगवान के खिलाफ मनुष्य के सबसे घृणित कृत्यों में से हैं। भगवान अपने कानून में यहां कोई सावधान संरचना नहीं रखते हैं, हालांकि कुछ लोग कहते हैं कि वह अपने दमिर्ग में दस आज्ञाओं को पढ़ रहे हैं और पापपूर्ण व्यवहार के कुछ उदाहरण दे रहे हैं जो दस आज्ञाओं के साथ गूँजते हैं। यदा ऐसा है तो यह एक ढीला जुड़ाव है और मुझे नहीं लगता कि यह अत्यधिक महत्वपूर्ण है कि हम इसकी पहचान करें।

मुझे लगता है कि हमें जिनमें नंबर एक के रूप में पहचान सकते हैं, ये चीजें गंभीर उल्लंघन हैं। ईश्वर के विरुद्ध अपराध हैं और कई मामलों में, वे अन्य लोगों के विरुद्ध अपराध हैं।

नंबर दो ऐसी चीजें हैं जिनके लिए हम सभी प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से दोषी हैं लेकिन सुसमाचार में हमें उन चीजों के लिए माफ कर दिया गया है। हमें माफ नहीं किया गया क्योंकि हमने हत्या करना छोड़ दिया और हमने अब और हत्या नहीं की और हमने इतने अच्छे काम किए कि हम हत्यारे नहीं हैं। यदा आप हत्यारे हैं, तो आप हत्यारे हैं, लेकिन मसीह अधर्मी लोगों के लिए मरे और इसलिए चाहे कोई कतिना ही अधर्मी क्यों न हो, मसीह की कृपा उन्हें माफ करने के लिए पर्याप्त है।

परन्तु तब नहीं जब वे मसीह में विश्वास नहीं करेंगे, तब नहीं जब वे नहीं कहेंगे कि मैं पापी हूँ और मुझे परमेश्वर के साथ सही होने के लिए आपके प्रायश्चित्त के खून की आवश्यकता है। यदा हम ऐसा नहीं कहते हैं तो हम यह कहने तक ही सीमित रह जाते हैं कि भगवान के साथ सही रहने का यही तरीका है, इस तरह जाएं,

इन नयियों का पालन करें । यह कानून का अनुचित उपयोग है। जब हम कहते हैं कि यदि आप इन नयियों का पालन करते हैं तो ईश्वर के साथ सही रहें, इस तरह आप ऐसा करते हैं, पॉल कहते हैं कि यह उस ध्वनि सिद्धांत के विपरीत है जो सुसमाचार के अनुरूप है।

उस धन्य परमेश्वर की महिमा के विषय में, जो उस ने मुझे सौंपी है। तो, व्यवस्था के कार्यों के अलावा मुक्ति को यह गौरवशाली सुसमाचार भी है। यह शानदार खुशखबरी है कि हम अपनी मुक्ति अर्जित करने या अपने पाप के दंड को कम करने के लिए कुछ नहीं कर सकते। हम कुछ नहीं कर सकते। यह हो चुका है। परन्तु परमेश्वर हमारे पापों का दण्ड इस महिमामय सुसमाचार के माध्यम से दूर कर सकता है जैसे पौलुस ने उसे सौंपा था।

तो, इन छंदों में, हमने बस उस पर ध्यान दिया जैसे हम सबसे पहले देख सकते हैं, जब हमें हार नहीं माननी चाहिए तो हार मान लेना आकर्षक होता है। तीमुथियुस को हार नहीं माननी चाहिए लेकिन जाहरि है, पॉल को लगा कि वह दुलमुल हो सकता है। वह वहीं रहने को कहता है।

दूसरे, हम देखते हैं कि तीमुथियुस का आरोप पूरी तरह से सकारात्मक और मुक्तिदायक था। इस बात पर जोर देना आसान है कि आपको वहां कमांड में रहना होगा और टैमोथी एक पुलसिकरमी या किसी ऐसे व्यक्ति की तरह बन जाता है जो लोगों पर आधा गुस्सा होता है। उसे जाना होगा और चीजों को सीधा करना होगा। लेकिन याद रखें कि यदि आप सुसमाचार पढ़ते हैं तो आपको याद आता है कि यीशु की उपस्थिति कितनी उदार थी। वह कैसे आगे बढ़े और लोगों से कैसे जुड़े और उन्हें कुछ कष्टकारी मुठभेड़ों का सामना करना पड़ा लेकिन उन्होंने अपनी परोपकारिता नहीं खोई। उसके मन में लोगों के लिए एक अच्छा उद्देश्य था और तीमुथियुस के पास एक आरोप था जिसका लक्षण परेम था और इसे तीमुथियुस के हृदय, वविक और विश्वास से संचालित किया जाना था जो उसे ईश्वर की कृपा से प्रदान किया गया था। यह एक बहुत ही मुक्तिदायक संदेश है।

तीसरा, लोग आसानी से सुसमाचार में ईश्वर के परेम से दूर हो जाते हैं, छंद छंद में और सात लोग ऐसा कर रहे थे। पॉल का कहना है कि कुछ लोग चले गए हैं। वे शक्तिष्क बनना चाहते हैं। वे नहीं जानते कि वे किस बारे में बात कर रहे हैं। हमारी आत्म-धारमिकता हमें दूसरों को अपनी दशा में प्रभावित करने के लिए प्रेरित करती है, भले ही वह दशा खराब हो। कभी-कभी छात्र मुझसे पूछते हैं कि आपने हमें दिखाया कि यह विद्वान जसिने अपना पूरा जीवन ग्रीक शब्दकोश के लिए समर्पित कर दिया था, वह वास्तव में यीशु और उनके पुनरुत्थान में विश्वास नहीं करता था। यदि विद्वान बाइबल पर विश्वास नहीं करते तो वे स्वयं को बाइबल का अध्ययन करने में क्यों समर्पित करते हैं।

जबकि मैं किसी को भी उस प्रश्न का उत्तर नहीं दे सकता। नजिी तौर पर, मैं अपनी प्रवृत्तियों को देखते हुए भी कह सकता हूँ कि हम सभी आत्म-तुष्ट हैं और हम सभी चीजों को दूसरे लोगों पर हावी होना पसंद करते हैं। हम चाहते हैं कि दूसरे लोग वही करें जो हम सोचते हैं कि उन्हें करना चाहिए। यदि हमारे पास प्रशिक्षण है तो हम जतिना अधिक प्रशिक्षण प्राप्त करेंगे उतना ही अधिक हम अन्य लोगों को प्रभावित करने के लिए प्रशिक्षित होंगे ताकि वे स्वीकार करें कि हम सही हैं। नसिंसदेह, इसका तात्पर्य यह है कि वे इतने सही नहीं हैं। इसलिए, हम सोच सकते हैं कि हम चीजें जानते हैं जबकि हम वास्तव में उन चीजों को बिल्कुल भी नहीं जानते हैं। सरिफ इसलिए कि आप सोचते हैं कि आप कुछ जानते हैं इसका मतलब यह नहीं है कि आप उसे जानते हैं।

वास्तव में जॉन मेसफील्ड की एक छोटी कविता है जो मुझे तब याद आती है जब मैं पादरी पत्रों के बारे में सोच रहा था और मैंने वास्तव में इसे लियोन मारसि की एक टपिपणी में पढ़ा था और

मैं इसे कभी नहीं भूला । लेकिन जॉन मेसफील्ड 20वीं शताब्दी के दौरान इंग्लैंड में पुरस्कार विजेता कवि थे और यह एक बहुत छोटी कविता है। यह इस प्रकार चलता है।

प्रशिक्षण मन ईमानदार आत्मा को परास्त कर देता है  
जैसा कांथीशु ने कहा था कि प्रशिक्षण मन हो सकता है  
प्रकाश के पुत्रों से भी अधिक बुद्धिमान,  
लेकिन प्रशिक्षण पुरुषों का दमाग बहुत पतला होता है  
उन्होंने सभी प्रकार के अधिकार को अंदर आने दिया।  
जो कुछ प्रकाशमानों को मलित है, उस पर वे संदेह करते हैं।  
उन्हें रोशनी से नहीं बल्कि उसके बारे में बात करने से प्यार है।

आप गूगल पर देख सकते हैं कि इस कविता में बहुत सारा ज्ञान है और आप बहुत सी दशाओं की ओर जा सकते हैं। यह एक बहुत ही असंपष्ट कविता है लेकिन मुझे लगता है कि बात बलिकूल स्पष्ट है। हम प्रशिक्षण हो सकते हैं और लोगों को गुमराह कर सकते हैं। हमारी दुनिया उच्च प्रशिक्षण लोगों से भरी है जो यीशु मसीह के प्रभुत्व की बात आने पर दूसरों को गुमराह कर रहे हैं। ऐसा इसलिए नहीं है क्योंकि वे स्मार्ट नहीं हैं। वे कई मायनों में नैतिक रूप से अच्छे हो सकते हैं, उनके द्वारा कही गई बातों में बहुत सच्चाई हो सकती है लेकिन मूल रूप से, ईश्वर के कार्य, ईश्वर के पुत्र और एक उद्धारकर्ता को हमारी आवश्यकता से इनकार हो सकता है।

हमने यह भी सीखा और इस पर चिन्ते में हमें याद दिलाया गया कि भगवान का पुराने नियम का नैतिक कानून उस श्लोक में मान्य है जिसमें वह कहता है कि हम जानते हैं कि कानून अच्छा है, यह सुंदर है, यह महान है, जब इसका दुरुपयोग नहीं किया जाता है। कानून का पालन करना मोक्षदायक नहीं है। भगवान के नियमों का पालन करना अच्छा है लेकिन यह आपकी आत्मा को नहीं बचाएगा। ऐसा प्रतीत होता है कि जिने कानून शिकषकों को मैंने एकतरति किया है वे कानून को अनुग्रह के साधन के रूप में मानते हैं। पॉल और तीमुथियुस जानते हैं कि मसीह ही ईश्वर के बचाने वाले अनुग्रह का एकमात्र साधन है।

इसलिए, हम यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि हम यह सोचकर ईश्वर की आज्ञा का पालन नहीं कर रहे हैं कि किसी तरह यह हमें उचित ठहराता है या ईश्वर पर पकड़ स्थापित करता है जहां हम ईश्वर को हेरफेर कर सकते हैं क्योंकि यदि हम एकस करते हैं तो वह वाई करेगा। यह अनुग्रह नहीं है कि मजदूरी कमाना है और यही है यह नहीं कि हम ईश्वर से कैसे संबंधित हैं।

इसके बाद, हमारे पास एक शीर्षक है "पॉल के लिए प्रभु की कृपा।" "मैं हमारे प्रभु ईसा मसीह को धन्यवाद देता हूँ" और याद करता हूँ कि पीला रंग हमें ईश्वर के इस कार्य की याद दिलाता है, "जसिने मुझे तार्कत दी है कि उसने मुझे अपनी सेवा में नियुक्त करने के लिए भरोसेमंद समझा।" वहाँ सेवा के लिए शब्द डायकोनिया है जिससे हमें डीकेन मलित है। इसे अकसर मंत्रालय के रूप में अनुवादित किया जाता है लेकिन यह लघु मंत्रालय है। यह उस प्रकार की सेवा है जसि करने के लिए आप किसी और को नियुक्त करना चाहते हैं। "हालांकि मैं एक समय ईशानदा करने वाला था" यह कोई ऐसा व्यक्ति है जो पवित्र चीजों के खिलाफ बोलता है। "और एक उत्पीड़क और एक हसिक आदमी," एक तरह से इसका मतलब है कि वह गुस्से वाला था।" मुझ पर दया की गई क्योंकि मैंने अज्ञानता और अवशिवास में काम किया।"

स्थानीय समाचारों में पछिले सप्ताहांत ही नाइजीरिया के एक चर्च में 50 से अधिक नाइजीरियाई लोगों को गोली मार दी गई, जला दिया गया और वसिफोट किया गया। कुछ हफ्तों के भीतर, पछिले कुछ हफ्तों के भीतर, अन्य लोगों को आग लगाकर मार डाला गया है। क्रोध

और गुस्सा अक्सर

इन दृश्यों का हसिसा होते हैं । आप पाते हैं कि लोग बहुत क्रोधित हैं और वे दंगा करते हैं और उत्तेजित हो जाते हैं। फरि वे किसी को गोली मार देते हैं या किसी को आग लगा देते हैं। आपको पॉल की यही तस्वीर मिलती है। वह एक हसिक व्यक्ता था, अत्याचारी था। वह इस समूह को खतम करना चाहता था और अगर लोगों का मानना था कि यीशु ही मसीहा था तो वे इससे दूर नहीं होने वाले थे अगर वह इसमें मदद कर सकता था।

"हमारे प्रभु की कृपा" और मुझे लगता है कि ग्रीक में इसका एक संयोजन है। "परन्तु हमारे प्रभु का अनुग्रह मुझ पर बहुतायत से हुआ, और उस विश्वास और प्रेम के साथ जो मसीह यीशु में है।" तो फरि से आपको दमशिक रोड की घटना पर वापस जाना होगा और पॉल को तीन दिनों तक अंधा कर दिए जाने के बारे में पढ़ना होगा। फरि वह मसीह के बारे में और ईसाई संदेश के बारे में बहुत कुछ जानता है क्योंकि वह लोगों पर अत्याचार कर रहा है। इसके अलावा अध्याय 9 में वह अध्याय 8 के बाद है। प्रेरितों के काम 8 में उसने स्तफिनुस का भाषण सुना, प्रेरितों के काम अध्याय 7 में स्तफिनुस ने बहुत लंबा भाषण दिया। जब उसने अपना भाषण समाप्त किया तो लोगों ने इसे सुना, वे क्रोधित हो गए और वे हसिक रूप से क्रोधित हो गए। जब उन्होंने चट्टानें उठाईं क्योंकि आप अपने सारे कपड़े नहीं पहन सकते, यदि आप चट्टानें उठा रहे हैं तो हो सकता है कि यह ठंडा दिने हो और हो सकता है कि उनके पास अतिरिक्त वस्त्र हों जिन्हें उन्होंने शाऊल/पॉल नाम के किसी व्यक्त के चरणों में अलग रख दिया हो।

तो, उसने सुना था कि यदि कोई और नहीं तो स्टीफन उसका गवाह होगा। तो, वह जानता था कि वह क्या कर रहा था, लेकिन वह कहता है कि मैंने अज्ञानता और अविश्वास में काम किया, यह वास्तव में अभी तक उसके सामने नहीं आया था कि यीशु कौन थे। वह अपने विरोध में इतना उग्र था कि वह अंधा हो गया था। फरि भगवान की कृपा ने सब कुछ बदल दिया और उस कृपा के साथ विश्वास आया और प्रेम आया क्योंकि यही वह है जो मसीह यीशु हमारे जीवन में लाते हैं। वह हममें विश्वास और प्रेम लाता है।

खैर, अब यह पहला बयान है जिसे टिमोथी बैंक में ले जा सकता है। "मसीह यीशु पापियों को बचाने के लिए दुनिया में आए, जिनमें से मैं सबसे बुरा हूँ।" मैं सबसे अग्रणी हूँ, मैं किसी ऐसे व्यक्त का प्रदर्शन कर रहा हूँ जिसके बारे में आप सोचते होंगे कि ईश्वर उसे कभी माफ नहीं कर सकता। निश्चित रूप से यदि आप ईसाइयों को मार रहे हैं तो ईश्वर आपको माफ नहीं करेगा। तुम्हें परमेश्वर द्वारा दंडित किया जाएगा। लेकिन वह कहता है कि ईसा मसीह, यह वादा किया हुआ मसीहा एक बहुत ही तुच्छ उद्देश्य के लिए दुनिया में आया था, वह व्यक्तित्व पापियों को बचाने जा रहा है जैसे कि मैं था या क्रूस पर चढ़े चोर की तरह था या यदि आप एक ईसाई हैं जैसे आप थे या जैसे मैं था।

हम सभी उल्लेखनीय पापी थे, लेकिन पॉल ने इसी कारण से लिखा है कि मैंने पहले कहा था कि भगवान असंभव परिस्थितियों को बदलने में प्रसन्न होते हैं। पुराने नियम की तरह, उन्होंने इज्राइल को चुना क्योंकि यह लोगों का एक अप्रत्याशित समूह था। वे असंख्य नहीं थे, उनका सम्मान नहीं किया गया था, वे प्रतभाशाली नहीं थे, और किसी ने भी उन्हें दुनिया के लिए भगवान की मुक्ति का साधन बनने के लिए नहीं चुना होगा। लेकिन उन्होंने उनका उपयोग इसलिए किया ताकि कोई यह न कह सके या किसी को यह नहीं कहना चाहिए था कि अरे हमने यह किया। अब उन्होंने कहा कि यह मानवीय गौरव है लेकिन उनके पास इसका कोई आधार नहीं था। पॉल के पास यह कहने का कोई आधार नहीं था कि मुझे ईश्वर की कृपा मिली है, लेकिन इसी कारण से वह कहता है कि मुझ पर दया की गई। ताकि मुझमें सबसे पापी मसीह यीशु उन लोगों के लिए एक उदाहरण के रूप में अपना अपार धैर्य प्रदर्शित कर सकें जो उस पर विश्वास करेंगे और अनन्त जीवन प्राप्त करेंगे।

इसके बाद पास्टोरल एपसिटल्स में कई स्तुतगानों में से पहला है। "अब अनन्त राजा के पास।" वह शब्द कगि ग्रीक शब्द है जो वासुतव में करसिटोस जैसा ही शब्द है जो कर्मसीहा द्वारा अभषिकित व्यक्तता है लेकिन पुराने नियम में मसीहा एक राजा है। वह डेवडि का वंशज है। डेवडि राजा है। तो वहाँ मसीहाई वचिर और ग्रीक में बेसलिया राजा के वचिर के बीच एक ओवरलैप है। इसलिए, वह पुत्र को मसीहा से अलग करता है जैसे प्रेषक, राजा के पास भेजा गया था।

“अब राजा के लिए शाश्वत, अमर, अदृश्य, एकमात्र ईश्वर, हमेशा-हमेशा के लिए सम्मान और महिमा हो। तथास्तु।

अवलोकन, नरिश पापियों के लिए आशा है। याद रखें उन्होंने कहा था कर्मसीह यीशु हमारी आशा है। टिमोथी कठनिडियों का सामना कर रहा है, उसे आशा की आवश्यकता है। आशा आपके दिल से शुरू होती है। यह आपके अंदर शुरू होता है। यदि आपकी आशा आपके लिए सरिफ बाहरी है। आशा परसिथतियों में होती है भले ही आपकी आशा मसीह में हो लेकिन वह कहीं बाहर है तो वह आपको रोक नहीं पाएगा। आपको इसे व्यक्तगित बनाना होगा। पॉल इसे व्यक्तगित बनाता है और वह चाहता है कि टिमोथी इसे व्यक्तगित बनाये। तीमुथियुस ने हार नहीं मानी क्योंकि परमेश्वर कठनि परसिथतियों में भी महान कार्य करता है। देखो उसने मेरे लिए क्या किया। वह आपके लिए ऐसा कर सकता है।

दूसरी बात यह है कि स्तुतगान टिमोथी की स्थिति के लिए इस कथन की मानकता को मजबूत करता है। ईश्वर को बड़ी परसिथतियाँ पसंद हैं और वह बाधाओं को हराना पसंद करता है। पॉल को ईश्वर पर आश्चर्य होता है। तो, दमशिक रोड से पहले उसने जो कल्पना की थी, उसके विपरीत, मैं मानता हूँ कि यह कानून का भगवान था, उसकी आज्ञाओं का पालन करने वाला भगवान था, उन लोगों को मारने का भगवान था जो भगवान के खिलाफ हैं क्योंकि वे उसके कानून का पालन नहीं करते हैं। यही पॉल की आशा थी। हम लोगों को गरिफ्तार करके और लोगों पर पथराव करके इसे कम करने जा रहे हैं।

उनके पास एक स्तुतगान है जो विभिन्न तरीकों से काम करने वाले ईश्वर की महिमा करता है। बाइबल का ईश्वर कोई ऐसा ईश्वर नहीं है जो लोगों को मारकर चर्च का वसितार करने में बड़ा हो। तो, तीमुथियुस को आशा रखनी चाहिए।

अब टिमोथी का प्रभार नवीनीकृत हो गया है और इसमें बस कुछ मिनट लगेंगे। “तीमुथियुस, मेरे बेटे, मैं तुम्हें यह आदेश दे रहा हूँ।” पद 3 में आरोप से लेकर अध्याय 1 तक नरितरता पर ध्यान दें। उसे यह आदेश या यह आरोप या यह आदेश मिला है जैसे वह तीमुथियुस पर डाल रहा है। “मैं तुम्हें यह आदेश उन भविष्यवाणियों के अनुसार दे रहा हूँ जो एक बार तुम्हारे बारे में की गई थीं।” ताकि हम “उन्हें याद करके लड़ाई अच्छे से लड़ सकें।” अच्छी लड़ाई लड़ें। वह इस बात का उल्लेख करने जा रहा है कि अध्याय 6 में मंत्रालय अक्सर एक लड़ाई है, न कि केवल एक लड़ाई, बल्कि यह अक्सर एक लड़ाई है, इस पर पकड़ एक और आदेश है।

“वश्वास और अच्छे वविक को थामे रहना” आप उन्हें सुसमाचार में रखते हैं लेकिन उन्हें थामे रखें। “जैसे कुछ लोगों ने अस्वीकार कर दिया है और इसलिए वश्वास के संबंध में मुझे जहाज की बर्बादी का सामना करना पड़ा है।” वे वश्वास से वमिख हो गये हैं।



अब वह उनमें से दो का नाम बताता है। “उनमें हुमनियुस और सकिंदर भी हैं जनिहें मैंने शैतान को सौंप दिया है ताकि उनहें सखाया जाए कविं ननिदां न करें।”

अध्याय 1 को समाप्त करने के लिए कुछ टपिपणियों का उपयोग करें। सबसे पहले, आह्वान की भावना किसी के मंत्रालय को बना या बगिड सकती है । जब वह कहता है कि मैं तुमहें यह आदेश उन भवषियवाणियों को ध्यान में रखते हुए दे रहा हूं जो एक बार तुम्हारे बारे में की गई थीं, ताकि उनहें याद करके वह तीमुथियुस को यह याद करने के लिए आमंत्रित कर रहा है कि वह इसमें कैसे आया। भगवान ने उसे इसमें बुलाया. यह धुंधला है. हमारे पास विशेष जानकारी नहीं है लेकिन आपको जो तस्वीर मिलती है वह यह है कि तीमुथियुस प्रेरितों के काम अध्याय 16 में दूसरी मशिनरी यात्रा पर प्रेरितिकि मंत्रालय में शामिल होने के लिए पॉल के नमिंत्रण और भगवान के नमिंत्रण के लिए हां कहता है। यह एक परदिश्य है।

एक अन्य परदिश्य तीमुथियुस के रूपांतरण का है जिसके बारे में हम कुछ विशेष नहीं जानते हैं, लेकिन अपने रूपांतरण में, वह मसीह में विश्वास स्वीकार करता है और लोगों ने कहा कि XY & Z आप में से हैं, हमें लगता है कि आप लडकपन से ही भगवान के राज्य में कुछ महान करने के लिए नियत थे। उसके बारे में भवषियवाणियों की गई थीं जिनके बारे में वह दोबारा सोच सकता था।

फरि, यदि आप इस तरह का व्याख्यान सुन रहे हैं तो संभवतः आपके पास एक ट्रैक रिकॉर्ड है और संभवतः भगवान ने आपसे किसी तरह बात की है और आपको बुलाने की भावना है। आपके अंदर एक आवेश की भावना है कि आपको प्रगति करने की आवश्यकता है और आपको ईश्वर की अपेक्षाओं को पूरा करने की आवश्यकता है। आप उस भावना को संजोते हैं और यदि आपके भाई या बहन इस विश्वास में हैं कि उस विश्वास ने इसे मजबूत किया है, तो आप उनकी मतिरता को संजोते हैं और उसका पोषण करते हैं क्योंकि आपकी याद रखने और आपको सथरि रखने में मदद करेंगे ताकि आप यह न भूलें कि भगवान ने क्या दिया है और क्या उपहार दिया है। आपके साथ यह एक महान अवसर के साथ-साथ एक बड़ी जमिमेदारी भी है।

दूसरे, क्योंकि मंत्रालय का वरिध किया जाता है और वह नाम भी देता है, यह कठिनि और केषटदायक हो सकता है और अन्य लोगों को अनुशासति करने में आसानी के बारे में कोई भ्रम नहीं होना चाहिए, चाहे आप पादरी हों या आप केवल सेवा के डायकोनिया का काम कर रहे हों शषिय बनाना. जैसा कि यीशु ने हम सभी को ऐसा करने के लिए कहा था, इसके साथ जोखिम भी जुड़े हुए हैं। इसके साथ बलादान जुड़े हुए हैं। व्याख्यान सुनना और सीखना भी आसान नहीं है क्योंकि जितना अधिक आप सीखते हैं उतना अधिक आपको एहसास होता है कि मुझे एक काम करना है। मैं खुद को क्यों परताडति कर रहा हूं? मैं सिर्फ उथला क्यों नहीं रहता और खुद को और अधिक चीजों के लिए जमिमेदार क्यों नहीं बनाता? लेकिन हमारे अंदर कुछ ऐसा है जो हमें ईश्वर के साथ गहराई से जोड़ना और उसकी सेवा में अधिक प्रभावी बनाना चाहता है। यह कठिनि है. यह हमें थका देता है और यह पीड़ादायक है लेकिन भगवान हमें नवीनीकृत कर देते हैं।

मुझे बस यह पसंद है कि पॉल यहां मधुर, आशावादी और आनंदमय नहीं है। वहाँ केवल प्रशंसात्मक बयानबाजी का एक समूह नहीं है। यहाँ उस सतुतगिान में बहुत ठोस प्रशंसा है लेकिन यह उस लागत के बारे में एक वास्तविक यथार्थवाद है जैसे बोन्हाफर ने शषियत्व की लागत कहा है।

तीसरा, ध्यान दें कि धरमान्तरण की दर कम हो जाती है। मैं एक मुस्लिम-बहुल देश में मंत्रालय की स्थिति में था और मैं वहाँ 12 वर्षों तक वर्ष में दो बार मंत्री रहा और 12वें वर्ष में मुख्य सहकरमियों और आयोजकों में से एक सुरक्षा एजेंट बन गया। उसने बहुत से लोगों को अंदर कर लिया और उन्हें गरिफतार कर लिया गया और फिर पूरे क्षेत्र में चर्चों के खिलाफ भड़क उठी। यह वह व्यक्ति था जिसके बारे में 10 वर्षों से अधिक समय से हर कोई सोचता था कि वह एक धरमांतरित व्यक्ति है। वह चर्च के स्टाफ में था लेकिन उसने दूसरे धर्म से धर्म परिवर्तन कर लिया था। उन्होंने वास्तव में कभी भी इसे अपने दिल पर हावी नहीं होने दिया, जिससे मनोबल कमजोर होता है। जब आपको इस तरह से धोखा दिया जाता है तो आप धोखा खा जाते हैं और लोगों को ईश्वर से सवाल करने या सुसमाचार पर सवाल उठाने के लिए प्रलोभित किया जा सकता है।

तीमुथियुस को पहले ही चेतावनी दे दी गई है और पॉल इसे हलके में नहीं लेता है। यह एक और चीज है जिसके बारे में हम नहीं चाहते कि हम जानते या उसके बारे में जानते हों। वह कहता है कि मैंने इन लोगों को शैतान को सौंप दिया है ताकि उन्हें सखाया जाए कि निंदा न करें। मुझे लगता है कि कम से कम इसका एक मतलब यह है कि वह अब उनके लिए प्रार्थना नहीं कर रहा है। हम जानते हैं कि पॉल ने अपने अनुयायियों के लिए प्रार्थना की थी।

उन्होंने चर्चों के लिए प्रार्थना की और मुझे लगता है कि यह उनके लिए उनकी प्रार्थनाओं का अंत था। मुझे लगता है कि यह ईश्वर के प्रति उनकी प्रार्थनाओं में बदलाव था। भगवान, मैं चाहता हूँ कि आप अपने पर्यासरत एजेंट शैतान को बदल दें। शैतान कोई प्रतिद्वंद्वी भगवान नहीं है। शैतान परमेश्वर के शासन के बाहर कुछ भी नहीं करता है। अधिकांश समय, अधिकांश स्थानों पर, और अधिकांश तरीकों से शैतान को अधिकांश लोगों से रोका जाता है, लेकिन ईसाइयों को भी प्रलोभित किया जा सकता है। जब उन्हें प्रलोभित किया जाता है तो यह शैतान द्वारा होता है, यह बुराई द्वारा होता है, यह सीधे तौर पर ईश्वर द्वारा नहीं होता है। लेकिन उसके पास एक एजेंट है जो लुभाने का काम भगवान की नगिरानी के बिना नहीं होता।

तो, वह कह रहा है कि मैं हाइमेनयुस और अलेक्जेंडर को भगवान के मंत्रालय के जांच एजेंट के लिए खोल रहा हूँ ताकि उन्हें अपने होंठ बंद करना सखाया जा सके। हम 1 कुरिन्थियों 5 से जानते हैं कि ऐसी ही स्थिति है और पॉल कहते हैं कि मैंने प्रार्थना की है कि इस व्यक्ति को उसके शरीर के वनिश के लिए शैतान को सौंप दिया जाए ताकि प्रभु के दिन उसकी आत्मा को बचाया जा सके। इसमें एक मुक्तदायक उद्देश्य है। यह सिर्फ दंडात्मक नहीं है, भगवान को इन लोगों से आशा है। इस बीच, वे शैतान का काम कर रहे हैं और टिमोथी को सुसमाचार की खातिर, अपनी आत्मा की खातिर और चर्च की खातिर उनके सामने खड़ा होना होगा।

अध्याय एक में हमारे पास बस इतना ही समय है। धन्यवाद।

यह डॉ. रॉबर्ट डब्ल्यू. यारबरो और पादरी पत्रों में उनकी शक्ति, पादरी नेताओं और उनके अनुयायियों के लिए अपोस्टोलिक निर्देश है। सत्र क्रमांक दो, 1 टिमोथी 1.